

---

# Bhaktachintamani Stava

भक्तचिन्तामणिस्तवः

## Document Information

---

Text title : Bhaktachintamani Stava

File name : bhaktachintAmaNistavaH.itx

Category : raama, rAmAnanda, stava, aShTaka

Location : doc\_raama

Author : Haryanandacharya

Proofread by : Parashara Ranganathan

Latest update : January 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---


January 28, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Bhaktachintamani Stava

——  
भक्तचिन्तामणिस्तवः



कुर्वे प्राणम्य सीतेशं व्यासं ऒधायनं तथा ।  
पूर्णानन्दं गुरुं नत्वा भक्तचिन्तामणिस्तवम् ॥ १ ॥

स्वस्थ याव्यभियारेण भक्तियोगेन सेवनात् ।  
लभ्यते यश्च तं रामं भक्तचिन्तामणिं भजे ॥ २ ॥

स्वात्मनिवेदनाख्याय कर्मज्ञानानिभक्तिः ।  
लभ्यते यश्च तं रामं भक्तचिन्तामणिं भजे ॥ ३ ॥

आवेश्य श्रद्धया चित्तं नित्ययुक्तैरुपासनात् ।  
लभ्यते यश्च तं रामं भक्तचिन्तामणिं भजे ॥ ४ ॥

श्रवाणात् कीर्तनात् स्तोत्राद् यतनाय्य दृढप्रतैः ।  
लभ्यते यश्च तं रामं भक्तचिन्तामणिं भजे ॥ ५ ॥

यजनाद् भजनाख्याय नमनाम्ननात् तथा ।  
लभ्यते यश्च तं रामं भक्तचिन्तामणिं भजे ॥ ६ ॥

भक्त्यैवानन्यया भक्तैर्ज्ञायते दृश्यते तथा ।  
लभ्यते यश्च तं रामं भक्तचिन्तामणिं भजे ॥ ७ ॥

सिद्धान्तयकवर्तिश्रीश्रियानन्दार्यनिर्मितः ।  
पठतां भक्तिदो भूयाद् भक्तचिन्तामणिस्तवः ॥ ८ ॥

एति जगद्गुरु श्री श्रियानन्दाचार्य सिद्धान्तविजयिनाङ्कतः  
भक्तचिन्तामणिस्तवः सम्पूर्णः ।

Proofread by Parashara Ranganathan

---

*Bhaktachintamani Stava*

pdf was typeset on January 28, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

